भारत के सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के आय का स्रोतों का 11 साल का विश्लेषण

वित्तीय वर्ष 2004-05 से 2014-15

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी अहम होती है वे चुनाव लड़ते हैं और सरकार बनाकर नीतियों का गठन करके आम आदमी की समस्याओं का निदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं | राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों और लक्ष्यों को जनता तक पहुचाने के लिए धन की आवश्यकता होती है | यह धन राजनीतिक दल कहा से एकत्रित करते हैं ? चुनाव आयोग को दायर की गई दलों की ऑडिट रिपोर्ट्स के विश्लेषण से साफ़ जाहिर है, कि काफी हद तक धन के स्त्रोत अज्ञात हैं | वर्तमान में, राजनीतिक दलों को रु 20,000 से कम की दान राशि के दान दाताओ का विवरण घोषित करना आवश्यक नहीं है | विश्लेषण के आधार पर दलों की दो-तिहाई से भी अधिक राशि अज्ञात स्त्रोतों से प्राप्त हुई है | जब नोटबंदी के माध्यम से काले धन को खत्म करने की घोषणा की है तो दलों को अज्ञात स्त्रोतों से मिले धन का विश्लेषण भी अति आवश्यक है | जून 2013 में राष्ट्रीय दलों को सीआईसी के फैसले से आरटीआई के तहत लाया गया था | लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण, राष्ट्रीय दलों ने इस निर्णय का पालन नही किया है | मौजूदा कानून के तहत दलों की धन राशि में पारदर्शिता संभव नही है, यह केवल आरटीआई से ही जनता को सारी जानकारी प्राप्त हो सकती है |

प्रमुखताएं/ मुख्य बिंदु

राजनीतिक दलों की ज्ञात और अज्ञात स्त्रोंतों से आय

- राजनीतिक दलों को रु 20,000 से अधिक के दान देने वाले दान दाताओं का विवरण चुनाव आयोग को वार्षिक जमा करना आवश्यक है | दान रिपोर्ट में दलों को दान देने वाले दान दाता का नाम, पता, PAN, राशि, और भुगतान का माध्यम आदि जानकारी देनी होती है | यह दलों के आय का एकमात्र **ज्ञात स्त्रोत** है |
- **अज्ञात स्त्रोतों** की जानकारी दलों द्वारा घोषित आयकर विवरण से पता चलता है, जिसमे दलों द्वारा घोषित रु 20,000 से कम दान का योगदान भी होता है | अज्ञात स्त्रोंतों में - सेल ऑफ़ कूपॉनस, आजीवन सहयोग निधि, रिलीफ फंड्स, मिसलेनियस आय, वोलंटरी कंट्रिब्यूशन्स, कंट्रिब्यूशन्स फ्रॉम मीटिंग/मोर्चा आदि हैं | ऐसे योगदान देने वाले दानदाताओं का ब्यौरा सार्वजानिक रूप से उपलब्ध नही है |
- राजनीतिक दलों के आय के **अन्य ज्ञात स्त्रोतों** में चल और अचल संपत्ति, पुराने अखबार, सदस्यता शुल्क, डेलिगेट फी, बैंक ब्याज, सेल ऑफ़ पब्लिकेशन्स और लेवी आदि विवरण की जानकारी दलों के बही खातों में किया होता है|

- इस रिपोर्ट में **6 राष्ट्रीय दलों** (कांग्रेस, भाजपा, बसपा, एनसीपी, सीपीआई और सीपीएम) और **51 क्षेत्रीय मान्यता प्राप्त दलों** का विश्लेषण किया गया है| क्षेत्रीय दलों के विश्लेषण में त्रिमूल कांग्रेस भी शामिल है जिसे चुनाव आयोग ने सितम्बर, 2016 में राष्ट्रीय दल घोषित कर दिया है |
- वित्तीय वर्ष 2004-05 से 2014-15 के बीच राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों की कुल आय **रु 11,367.34 करोड़** थी |
- **ज्ञात स्त्रोत से** (रु 20,000 से अधिक) राजनीतिक दलों की कुल आय में से **16%** यानि **रु 1,835.63 करोड़** की राशि प्राप्त हुई है |
- राजनीतिक दलों के कुल आय का **15%** यानि **रु 1,698.73 करोड़** की राशि **अन्य ज्ञात स्त्रोतों** (अचल संपत्ति, ओल्ड न्यूज़पेपर्स, सदस्यता शुल्क, डेलिगेट फी, बैंक ब्याज, सेल ऑफ़ पब्लिकेशन्स और लेवी आदि) से प्राप्त हुई |
- **अज्ञात स्त्रोतों** (आय का विवरण है लेकिन स्त्रोत का नहीं) से राजनीतिक दलों को कुल आय का **69%** यानि **रु 7,832.98 करोड़** की राशि प्राप्त हुई है |

Sources of income of National and Regional Political Parties between FY 2004-05 and 2014-15				
Political Parties	**Income from unknown sources**	**Income from known sources**	**Income from other known sources**	**Total Income**
National Parties	**Rs 6,612.42 cr** (~71% of total declared income)	**Rs 1405.19 cr** (~15% of total declared income)	**Rs 1260.69 cr** (~14% of total declared income)	**Rs 9,278.30 cr**
Regional Parties	**Rs 1,220.56 cr** (~58% of total declared income)	**Rs 430.44 cr** (~21% of total declared income)	**Rs 438.04 cr** (~21% of total declared income)	**Rs 2,089.04 cr**
Total	**Rs 7,832.98 cr** (~69% of total declared income)	**Rs 1,835.63 cr** (~ 16% of total declared income)	**Rs 1,698.73 cr** (~ Rs 15% of total declared income)	**Rs 11,367.34 cr**

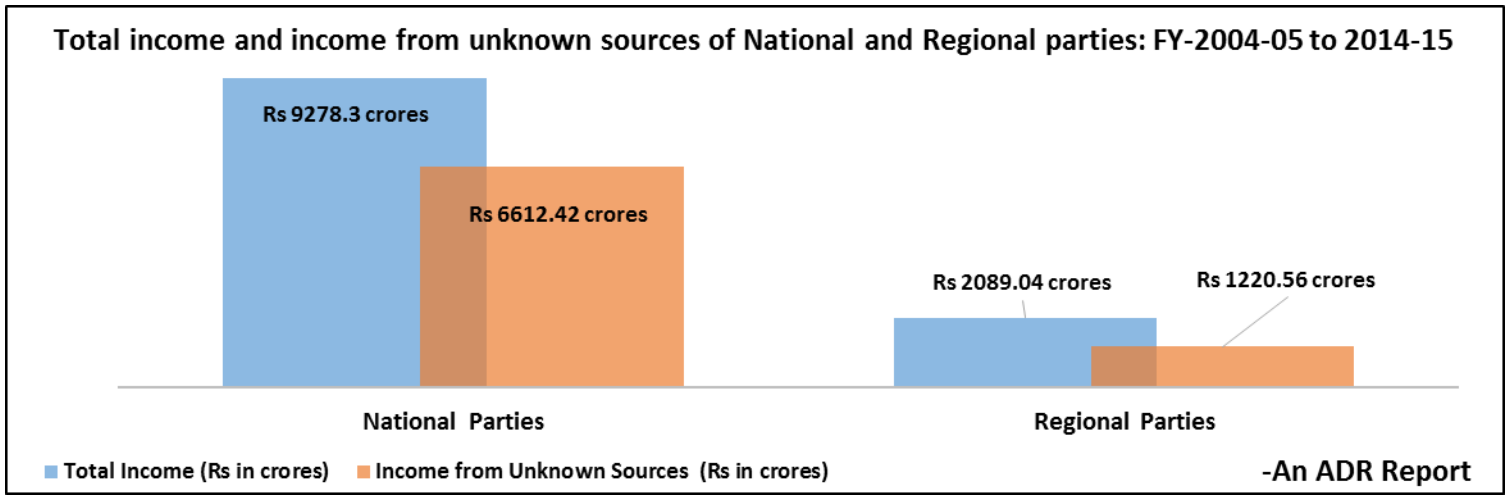

अज्ञात स्त्रोतों से राजनीतिक दलों की सबसे अधिक आय- वि व् 2004-05 से 2014-15

- 11 सालों के दौरान, कांग्रेस को सबसे अधिक **रु 3,323.39 करोड़** (कुल आय का 83%) और भाजपा को **रु 2,125.95 करोड़** (कुल आय का 65%) की राशि **अज्ञात स्त्रोतों** से प्राप्त हुई है |
- सभी क्षेत्रीय दलों में से,**समाजवादी पार्टी** ने सबसे अधिक कुल आय का **94%** यानि **रु 766.27 करोड़** और **शिरोमणि अकाली दल** ने कुल आय का **86%** यानि **रु 88.06 करोड़** की राशि **अज्ञात स्त्रोतों** से प्राप्त की है |

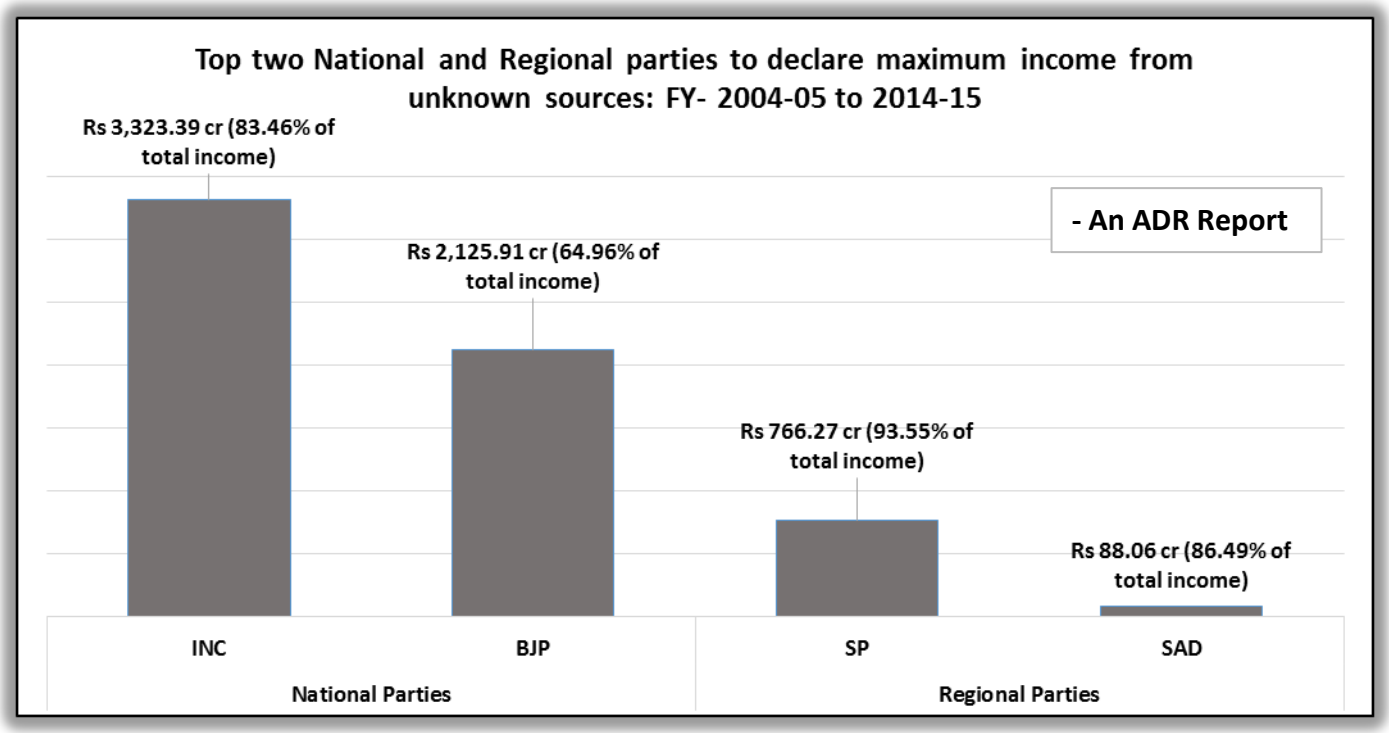

एडीआर का अवलोकन और सिफारिशें

अवलोकन

- इस रिपोर्ट के लिए 51 क्षेत्रीय दलों का आयकर विवरण और दान रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया है | इन 51 दलों में से केवल 6 दलों की ही 11 साल की सब दान रिपोर्ट चुनाव आयोग में उपलब्ध हैं |11 साल के भीतर 45 दलों ने कम से कम एक वित्तीय वर्ष के लिए चुनाव आयोग को अपना दान विवरण जमा नहीं किया है |
- 12 क्षेत्रीय दाल ऐसे हैं जिन्होंने अपना एक भी दान रिपोर्ट चुनाव आयोग को वि व् 2004-05 से जमा नही किया है | ये दल : J&KPDP, AJSU, NPP, RSP, MPC, KC-M, SKM, AINRC, PDA, MSCP, HSPDP और PPA हैं |
- राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के आयकर रिपोर्ट/ऑडिट रिपोर्ट आरटीआई द्वारा आयकर विभाग से प्राप्त किया गया है | 51 क्षेत्रीय दलों में से केवल 9 दलों का ही 11 साल की सब आयकर विवरण उपलब्ध हैं और 42 दलों का विवरण कम से कम एक वित्तीय वर्ष के लिए उपलब्ध नही है | आयकर का विवरण आयकर विभाग के तरफ से मना कर दिया गया या उस वित्तीय वर्ष के लिए दलों ने अपना आयकर जमा नही किया है या आयकर विभाग का उत्तर " **Unable to Trace** " या अधूरी जानकारी दी गयी है | जहा तक संभव हो सका, आयकर विवरण की प्रतियां चुनाव आयोग से प्राप्त की गयी हैं |
- **अज्ञात स्त्रोतों** से राष्ट्रीय दलों का कुल आय वि व् 2004-05 से 2014-15 के बीच में **313%** की वृद्धि हुई | वि व् 2004-05 के दौरान राष्ट्रीय दलों को अज्ञात स्त्रोतों से **रु 274.13 करोड़** और वि व् 2014-15 के दौरान **रु 1130.92 करोड़** मिला है |
- **अज्ञात स्त्रोतों** से **क्षेत्रीय दलों** का कुल आय वि व् 2004-05 से 2014-15 के बीच **652%** बढ़ा है | वि व् 2004-05 के दौरान क्षेत्रीय दलों को अज्ञात स्त्रोतों से **रु 37.393 करोड़** और वि व् 2014-15 के दौरान **रु 281.01 करोड़** मिला है |
- यह ध्यान देने की बात है की सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों में से केवल **बसपा** ने यह लगातार घोषित किया है की पार्टी को वि व् 2004-05 से 2014-15 के बीच कोई भी दान रु 20,000 से अधिक मात्रा में नही मिला है | इसलिए पार्टी का **100% दान अज्ञात स्त्रोतों** से मिला है | बसपा की कुल आय 11 साल में **2057%** बढ़ी है | वि व् 2004-05 के दौरान पार्टी की कुल आय **रु 5.19 करोड़** थी जो बढ़कर वि व् 2014-15 के दौरान **रु 111.96 करोड़** हुई |

एडीआर के सुझाव

- राजनीतिक दलों कि आय का अधिकतम प्रतिशत (दो-तिहाई) अज्ञात स्त्रोतों से आता है| पारदर्शिता के लिए दान दाताओं कि पूरी जानकारी, आम जनता को उपलब्ध होनी चाहिए | भूटान, नेपाल, जर्मनी, फ्रांस, इटली, ब्राजील, बल्गेरिया, अमेरिका तथा जापान जैसे देशों में ऐसा किया जाता है| इन में किसी भी देश में राजनीतिक दलों की आय स्त्रोत का 75% अज्ञात रहना असम्भव है |
- राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दलों को अपने दल को मिले दान का उचित तथा पूर्ण विवरण समय पर चुनाव आयोग को जमा कर देना चाहिए, फलस्वरूप ये वित्तीय पार्दर्शिता को प्रोत्साहित करेगा।
- यदि किसी भी संगठन को विदेशी धन प्राप्त होता है तो उसके किसी भी उम्मीदवार या राजनीतिक दल के अभियान अथवा समर्थन में अनुमति नही होनी चाहिये |
- हाल ही में चुनाव आयोग ने यह सुझाव दिया है की केवल उन्ही दलों को कर में 100% छूट दी जानी चाहिये जो विधान सभा और लोक सभा चुनाव लडें और सीट जीतें | साथ ही साथ यह भी सुझाव दिया है की सभी राजनीतिक दलों को रु 2000 से अधिक दान देने वाले दानदाता की पूरी जानकारी सार्वजानिक रूप से उपलब्ध होनी चाहिये | राजनीतिक दलों के वित्त व्यवस्था में सुधारों के लिये चुनाव आयोग द्वारा लिए गए कदम को एडीआर पूर्ण समर्थन करता है |
- राजनीतिक दलों की धनराशि में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ाने के लिए दलों द्वारा घोषित सारे वित्त संबंधी दस्तावेजों को CAG और चुनाव आयोग द्वारा स्वीकृत संस्था को वार्षिक रूप से जाँच करनी चाहिये |
- राजनीतिक दलों को सुचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निरन्तर तौर पर जानकारी प्रदान करनी चाहिए। ऐसा करने से ही राजनीतिक दल, चुनाव प्रक्रिया एवं लोकतंत्र सशक्त होगा।

Contact Details

Media and Journalist Helpline +91 80103 94248 Email: adr@adrindia.org	Maj. Gen Anil Verma (Retd.) Head National Election Watch, Association for Democratic Reforms +91 11 4165 4200 +91 88264 79910 anilverma@adrindia.org	Prof Jagdeep Chhokar IIM Ahmedabad (Retd.) Founder Member National Election Watch, Association for Democratic Reforms +91 99996 20944 jchhokar@gmail.com	Prof Trilochan Sastry IIM Bangalore Founder Member, National Election Watch, Association for Democratic Reforms +91 94483 53285 trilochans@iimb.ernet.in